अध्याय-4

आभार स्वीकार

4.1 समिति के 1976 में गठन से लेकर प्रतिवेदन का नौवाँ खंड प्रस्तुत किए जाने तक समिति के कार्य में समिति के माननीय सदस्यों तथा अध्यक्ष द्वारा दिए गए मार्गदर्शन एवं समिति के कार्य में सहयोग देने वाले विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों तथा सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा दिए गए सहयोग के प्रति आभार प्रकट करना समिति अपना कर्तव्य समझती है। समिति ने अब तक अपने प्रतिवेदन के आठ खंड महामहिम राष्ट्रपति जी को प्रस्तुत किये हैं, जिन पर राष्ट्रपति जी के आदेश जारी हो गए हैं तथा कुछ सिफारिशों को छोड़कर शेष सब पर राजभाषा विभाग द्वारा सम्यक आगामी कार्रवाई भी कर ली गई है। अब प्रतिवेदन के नौवें खंड की प्रस्तुति के शुभ अवसर पर समिति के माननीय अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा समिति के सभी माननीय सदस्यों, सरकारी कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जो सहयोग व मार्गदर्शन दिया गया उनके प्रति समिति अपना आभार प्रकट करती है। इस श्रृंखला में वे सभी अधिकारीगण, संस्थाएँ, संगठन, गण्यमान्य व्यक्ति धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने किसी भी तरह इस कार्य में सहयोग प्रदान किया है। इस आशय का आभार प्रदर्शन पूर्व आठ खंडों में भी व्यक्त किया जाता रहा है।

4.2 परंपरागत रूप से केंद्रीय गृह मंत्री समिति के माननीय अध्यक्ष होते हैं। इसी क्रम में दिनांक 26.08.2009 से श्री पी.चिदंबरम, माननीय गृह मंत्री इस समिति के अध्यक्ष हैं। प्रतिवेदन के नौवे खंड के लिए विचार-विमर्श यद्यपि गत संसदीय राजभाषा समिति के कार्यकाल में प्रारंभ हुआ था तथापि नवगठित संसदीय राजभाषा समिति की आलेख और साक्ष्य उपसमिति, जिसके अध्यक्ष श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी हैं, के समक्ष दिनांक 16.11.2010 को इसे विचार-विमर्श के लिए प्रस्तुत किया गया। यह समिति पूर्व उपाध्यक्ष श्री जय प्रकाश जो दिनांक 16.12.2008 से 17.05.2009 तक कार्यवाहक अध्यक्ष रहे उनके प्रति विशेष आभार व्यक्त करती है। समिति श्रीमती सरला माहेश्वरी (उपाध्यक्ष 23.08.2004 से 18.08.2005 तक), प्रो. रामदेव भण्डारी, (उपाध्यक्ष दिनांक 19.8.2005 से 09.04.2008 तक), श्री जय प्रकाश, उपाध्यक्ष (23.04.2008 से 18.05.2009) और सत्यव्रत चतुर्वेदी (उपाध्यक्ष दिनांक 18.09.2009 से अब तक) के प्रति भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने समिति को अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान किया। इसके अतिरिक्त श्री मो. सलीम, संयोजक, पहली उपसमिति (दिनांक 23.04.2008 से 18.05.2009), डा. लक्ष्मी नारायण पाण्डेय, संयोजक, दूसरी उपसमिति (दिनांक 23.08.2004 से 18.05.2009), श्री अनिल बसू, संयोजक, तीसरी उपसमिति (दिनांक 19.08.2005 से 18.05.2009) ने इस कार्य में सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति इनके प्रति आभार व्यक्त करती है। इसके अलावा श्री उदय प्रताप सिंह, श्री संतोष गंगवार और श्री महेन्द्र प्रसाद निषाद ने आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति के सदस्यों के रूप में महत्वपूर्ण

भूमिका अदा की। समिति नवगठित आलेख और साक्ष्य उपसमिति के माननीय सदस्यों श्री राजेन्द्र अग्रवाल, संयोजक; डा. प्रसन्न कुमार पाटसानीद्ग, संयोजक; प्रो. अलका बलराम क्षत्रिय, संयोजक; श्री शिवांनद तिवारी, डा. (श्रीमती) बोच्चा झांसी लक्ष्मी तथा डा0 रघुवंश प्रसाद सिंह, सदस्यों का भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने नौवें खंड के प्रारूप पर निरंतर बैठकों में बहुमूल्य विचार देकर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

4.3 समिति की तीनों उप समितियाँ समय-समय पर मंत्रालयों/विभागों, उनके अधीनस्थ कार्यालयों, उनसे संबध्द उपक्रमों एवं संगठनों के विभिन्न नगरों में स्थित कायार्लयों में निरीक्षण करने जाती हैं। समिति इन निरीक्षणों के दौरान तीनों उपसमितियों के लिए बैठकों का प्रबंध, आने-जाने, ठहरने आदि की व्यवस्था करने वाले मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/उपक्रमों के अधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करती है। समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति ने भी विभिन्न नगरों में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के अध्यक्षों तथा कुछ सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श किया है। इन बैठकों की सुचारू व्यवस्था करने के लिए समिति उन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के अध्यक्षों एवं संबंधित कार्यालय प्रमुखों का भी आभार प्रकट करती है। समिति की उपसमितियों को विभिन्न राज्य सरकारों तथा संघ शासित प्रदेशों की सरकारों ने निरीक्षण के दौरान जो सहयोग प्रदान किया, उसके प्रति भी समिति अपनी कृतज्ञता प्रकट करती है। निरीक्षण के दौरान रेल तथा वायुयान आदि में आरक्षण एवं अन्य प्रबंध करने के लिए समिति उन सभी विभागों के संबध्द अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करना भी अपना नैतिक कर्तव्य मानती है जिन्होंने निष्ठा से इस कार्य को पूरा किया है।

4.4 समिति को लोक सभा एवं राज्य सभा सचिवालयों ने संसद में समिति द्वारा आयोजित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों/राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शासनाध्यक्षों के मौखिक साक्ष्य संबंधी बैठकों के लिए स्थान, अपने-अपने दुभाषिये रिपोर्टर आदि की सुविधाएँ यथासमय आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराकर पूर्ण सहयोग दिया। फलस्वरूप समिति सुचारू रूप से अपना कार्य संपन्न कर सकी। इसके लिए समिति उनके प्रति भी आभारी है।

4.5 गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के सचिव एवं भारत सरकार की हिंदी सलाहकार श्रीमती वीणा उपाध्याय ने समिति की बैठकों में उपस्थित होकर और समिति के साक्ष्य कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने बहुमूल्य विचारों को स्पष्ट रूप में तथा गंभीर चिंतन के बाद समिति के सम्मुख रखा जिससे उनके अनुभव का लाभ भी समिति को मिला। इनके अलावा राजभाषा विभाग के पूर्व सचिवों, श्री देवदास छोटराय, श्री प्रशांत कुमार मिश्र, श्री रंजीत इस्सर, डा. प्रदीप कुमार एवं श्री बी. एस. परशीरा के अनुभव का लाभ भी समिति को मिला। इसके लिए समिति उनका भी धन्यवाद करती है।

4.6 यह समिति अपने सचिवालय के समस्त वर्तमान अधिकारियों एवं कर्मचारियों विशेष रूप से वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा, अवर सचिव (प्रशासन) डा. एल आर यादव, अवर सचिव डॉ. श्रीप्रकाश शुक्ल एवं अनुसंधान अधिकारी श्री सत्येन्द्र दहिया, अनुभाग अधिकारी श्री अश्वनी कुमार मोहल तथा हिन्दी अधिकारी श्री गुणपाल सिंह रावत की सराहना करती है जिन्होंने पूर्ण निष्ठा, समर्पण, कुशलता तथा परिश्रमपूर्वक प्रतिवेदन का यह नौवाँ खण्ड तैयार करने का कार्य संपन्न किया।

4.7 समिति अपने सचिवालय के कर्मचारियों सुश्री लिदी, श्रीमती रंजना कँवर, सर्वश्री संदीप कुमार, वीरेन्द्र सिंह, सुखवीर सिंह, गुरूबक्श कुमार, रत्नेश श्रीवास्तव, सईद अहमद, राहुल शर्मा, शशी भूषण प्रसाद सिन्हा, सुनील कुमार जैन, गंगा प्रसाद, अरुण कुमार, राजेश कुमार झा, अरविन्द कुमार, कुलदीप नेगी, देवेन्द्र सिंह, धर्मराज तिवारी, सुभाष चन्द्र, उमराव सिंह और धनपत सिंह का भी आभार प्रकट करती है जिन्होंने प्रतिवेदन के इस प्रारूप को प्रस्तुत करने में पूर्ण सहयोग दिया ।

4.8 अंत में, समिति अपनी सचिव श्रीमती पूनम जुनेजा के प्रति विशेष रूप से आभारी है जिनकी सूझ-बूझ, प्रेरणात्मक परिश्रम तथा कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से ही प्रतिवदेन का यह खंड तैयार किया जाना संभव हो पाया है।

.....